शरणबसवेश्वर विज्ञान महाविद्यालय, कलबुरगी

हिन्दी पठ्यक्रम के उद्देश्य

बी.एस सी. १ सेम **काव्य संकलन**

पद्य मंजुषा – डॉ. अशोक कुमार गुप्ता – मलिक अण्ड कंपनी जैपुर

अध्ययन के लिए आरंभिक ८ कविताएँ निर्धारित है।

१. झाँसी की रानी २. सखी बसंत आया ३. भारत के नवयुवक ४. हिरोशिमा

कहानियाँ

कथा चंदन –प्रो. परिमला अंबेकर – अमन प्रकाशन कानपुर

अध्ययन के लिए निर्धारित कहानियाँ

१. कफन २. आकाशदीप ३. परदा ४. पाजेब ५. शरणदाता ६. ठेस ७. हरिबिंदी

८. सुनंदा का दरवाजा

पठ्यक्रम के उद्देश्य

१. झाँसी की रानि कविता से वीर महिला झाँसी के बारे में जानकारी प्राप्त होता है। महिला होने पर भी अंग्रेजों के खिलाफ लड़कर देश के लिए जीवन त्याग देती है। विद्यार्थियों को झाँसी की रानी की व्यक्तित्व का परिचय मिलता है।

२. सखी बंसत आया कविता में प्रकृति में कैसा बसंत आता है वैसे ही उसके जीवन के आने के बाद अपने सखीयों से कहती हैं।

३. भारत के नवयुवक यहाँ पर कवि नवयुवकों को देश के प्रति उसके कर्तव्य क्या है उजागर करने के लिए कवि यहाँ पर नवयुवकों को संदेश दे रहे हैं।

४. हिरोशिमा कविता में बाँब विस्फोट होने के बाद वहाँ का वातावरण हानी किस प्रकार होता है विद्यार्थियों को इसके बारे में जानकारी प्राप्त होता है।

५. पाजेब कहानी द्वारा बालक के मनोविज्ञान को दिखाया गया है। वहाँ बालक चोरी न करने पर भी उसके माता पिता उसको ही कसूरवार मानते है। बच्चों का कितना कोमल रहता है यहाँ पर दिखाया गया है।

६. शरणदाता कहानी से देश की आजादी के नाम पर दोस्त दोस्त को जाने के लिए नहीं देता है। दोस्त दूसरे दोस्त के पास पनाह लेता है वहाँ खाने में विष भी देता है। इससे विद्यार्थियों को दोस्त रहने पर भी किस तरह दोखा करते हैं दिखाया गया है।

७. हरिबिंदी कहानी एक ऐसी कहानी है आधुनिक स्त्री की पति रहने पर अपने आप को स्वतंत्र नहीं मानती है। पति गैर हाजरी में खुले दिल से एक दिन का वक्त गुजारती है। एक स्त्री के मन के बारे में दिखाया गया है।

८. सुनंदा का दरवाजा सुनंदा बचपन में ही शादी हो जाता है। छोटी रहने पर भी घर बच्चें, पति, सास, ससुर सभी का बात सुनकर अपने जीवन को ही कसौटी पर लगाती है।

* * * * *

शरणबसवेश्वर विज्ञान महाविद्यालय, कलबुरगी

हिन्दी पठ्यक्रम के उद्देश्य

बी.एस सी. २ सेम **एकाँकी**

पाँच नए एकाँकी– सं. ममता कालिया – लोकभारती प्रकाशन नई दिल्ली

१. स्ट्राईक २. ज़ोक ३. भोर का तारा ४. अंडे के छिलके ५. यहाँ रोना मना है

संप्रेषण

व्यवसायिक संप्रेषण – अनूप चंदर भयाणी – राजपाल अण्ड सन्स ५०–९० मदरसा रोड कश्मीर गेट दिल्ली–११०००६

संप्रेषण के प्रकार : १. भाषिक और भाषेतर संप्रेषण के प्रकार

२. पत्र, पत्र की उत्पत्ती, पत्रों की विविध प्रकार

३. व्यवसायिक एवं कार्यलीन पत्र उसके कार्य, उद्देश्य, तत्व, उसके प्रमुख प्रकार

४. संप्रेषण कला/स्किल, रिपोर्ट, प्रतिवेदन, अभिवेदन, साक्षात्कार, ईंटरव्यूव

पठ्यक्रम के उद्देश्य

१. स्ट्राईक एकाँकी में पति पत्नी दोनों घर में किस तरह स्ट्राईक करते हैं वहाँ का वातावरण का चित्रण मिलता है।

२. ज़ोक एकाँकी द्वारा घर में कोई मेहमान आने के बाद किस तरह वजन होते हैं यहाँ पर व्यंग्य रीति से चित्रित किया है।

३. भोर का तारा एकाँकी से शेकर का प्रेम से भरा हुआ भोर का तारा महाकाव्य को किस तरह फाड डालता है उसके जीवन में वही एक भोर का तारा बन जाता है।

४. अंडे के छिलके हास्य एकाँकी है घर में सभी एक दूसरे से छुपा कर अंडे खाते रहते है। और उस घर में सभी को यह बात पता रहते हुए भी एक दूसरे से अंजान रहते है।

५. यह रोना मना है एकाँकी से एक स्त्री की मन की भावनाओं का मैके में माँ मर जाने पर भी सास जाने के लिए नहीं छोडती है। जब बहु दिल खोलकर भी रोने से रोकती हैं सास। देवर की शादि में उसकी भाभी दिल खोलकर नाचती है और रोती भी है गिर जाती है।

६. संप्रेषण किसे कहते है? उसके प्रकारों के सीखते हैं।

७. पत्र किसे कहते है? उसके प्रकारों के सीखते हैं।

८. व्यवसायिक पत्र किसे कहते है? उसके पत्र, उद्देश्य, उसके प्रमुख प्रकारों को सीखते हैं। अभिवेदन, प्रतिवेदन, ईंटरव्यूव, साक्षात्कार, रिपोर्ट इसके बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

* * * * *

शरणबसवेश्वर विज्ञान महाविद्यालय, कलबुरगी

हिन्दी पठ्यक्रम के उद्देश्य

बी.एस सी. ३ सेम **खंडकाव्य**

शम्बूक – जगदीश मिश्र – लोकभारती प्रकाशन नई दिल्ली

उपन्यास

आँगन में एक वृक्ष – दुष्यंत कुमार – राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली

पठ्यक्रम के उद्देश्य

१. शम्बूक खण्डकाव्य द्वारा विद्यार्थी रामायण की घटना को याद करते हैं। राम जब १४ बरस वन में रहता है। फिर राजा होने के बाद एक राजा होने के नाथ किस तरह रहता है, राम क्षत्रीय रहने पर शम्बूक शूद्र होने पर किस तरह शोषण करता है और दोनों का वार्तालाप का चित्रण मिलता है।

२. शम्बूक राम को कहता है तुम राजा होने के नाते शूद्र लोगों पर क्यों जुल्म करते हो। तुम्हे समाज में लोग देवता का दर्जा दिये हैं और तुम लोगों को क्या मदद करे हो और शूद्र लोगों को कभी भी किसी भी जमाने में आगे बढने के लिए नहीं देते हैं, मुझे भी रोक रहे हो। तुम्हारे राज्य में जो भी घटना घट चुका है उससे मेरा कुछ भी संबंध नहीं है। एकलव्य को भी द्रोणाचार्य ने धनुरविद्या नहीं दिये थे फिर भी अपने बल पर आगे बड़ने पर भी फिर कुटिल से उसका उंगली को काटा गया।

३. आँगन में एक वृक्ष यहाँ दो परिवारवालों का कहानी है। एक बड़े परिवार में पिताजी, भाई, भाभी, छोटे भाई सभी लोग किस तरह मिलकर रहते हैं विद्यार्थियों को जानकारी हासिल होता है।

४. आँगन में एक वृक्ष बड़े लोग एक बड़ा वृक्ष के समान और जो छोटे रहते है उनके फूल, पौदों के समान वैसा ही उनका परिवार बड़े लोगों को गौरव देना, सत्कार करना, मदद करना इस उपन्यास में देख सकते हैं।

* * * * *

शरणबसवेश्वर विज्ञान महाविद्यालय, कलबुरगी

हिन्दी पठ्यक्रम के उद्देश्य

बी.एस सी. ४ सेम **नाटक**

हानुष – भीष्म साहनी – राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

निबंध संकलन

निबंध संकलन – सं. डॉ. सुष्मा दुबे, डॉ. राजकुमार – वाणी प्रकाशन नई दिल्ली

१. मन की दृढता २. कविता क्या है ३. आम फिर बारा गए ४. भारतीय साहित्य की एकता ५. प्रेमचंद और यथार्थवाद ६. आँगन की पंछी ७. विकलांग श्रद्धा का दौर

पठ्यक्रम के उद्देश्य

१. हानुष कुफलसाज रहते हुए भी किस तरह घडी बनाता है और अपने बिबी और बच्चों को देख लेता है।
२. हानुष पहले बहुत गरीब रहने पर घडी बनाने के बाद गली वाले लोग उसको बहुत ईज्जत देते हैं। राजा उसके आँखें निकाल देता है उस घडी को आवाज जब भी सुनाई देता है तब हानुष एक मछली की जैसा तड़पता रहता है।
३. हानुष उस घडी को तोडने की कोशिश करता है तोडने के बाद भी उसका रिपेरी करना पडता है। अंधा रहने पर भी उस घडी के एक एक अंग को छूने के बाद फिर उसके शरीर में एक नए शक्ति का संचलन हो जाता है।
४. हानुष के दिल में हो जाने वाले भावनाओं, दुःख और समाज के लोग करने वाले शोषण को हमें देखने के लिए मिलता है।

५. मन की दृढता से हमें हमारा मन किस तरह से रखना चाहिए हमें जीवन में किस तरह रहना चाहिए संदेश विद्यार्थियों को देते हैं।

६. भारतीय साहित्य की एकता में हमारा भारत की साहित्य का परिचय मिलता है। और प्राचिन काल में साहित्य किस तरह था कवि के जीवन के बारे में और आज का साहित्य का वर्णन हमें उपलब्द होता है।

७. प्रेमचंद और यथार्थवाद में प्रेमचंद के जीवन, प्रेमचंद के लेखनी और प्रेमचंद किस तरह से लिखते है कहानी, काव्य, उपन्यास का विवरण देखने मिलता है।

८. कविता क्या है? कविता में किस तरह से कविता लिख सकते है कविता का मूल भाव क्या है? उसके उद्देश्य, कवि के भावनाएँ विस्तृत रूप में देखा जा सकता है।

* * * * *

श्रीमती विजयलक्ष्मी आर. एस.
हिन्दी प्राद्यापिका
गोदुताई दोड्डप्पा अप्पा महिला महाविद्यालय
कलबुरगी